The Hitavada
JABALPUR ■ Thursday ■ February 27 ■ 2020

20-day course on NTFP products inaugurated at TFRI

■ Staff Reporter

A 20-DAY certificate course on Value Addition and Marketing of Non-Timber Forest Produce (plant origin): NTFP products and Medicinal Plants was inaugurated at Tropical Forest Research Institute (TFRI), Jabalpur.

The event is being organised with an objective to hone skills of NTFP cultivation, harvesting, processing and marketing of unemployed youth. The course is being conducted under Green Skill Development Programme (GSDP), sponsored by Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEF&CC), Government of India, New Delhi. Dr G Rajeshwar Rao, ARS, Director TFRI, welcomed the guests and participants of the training.

Appreciating the heterogenous group of the participants, he highlighted various opportunities of NTFP sector.

He also assured full technical guidance from the institute and its alliances working in the sector like, RCFC, Jabalpur and MFPFed, Bhopal.

Purshottam Dhiman, IFS, Additional MD, MFP Federation, Bhopal and chief guest of the inaugural session appreciated design and importance of the course. He encouraged participants to pursue their respective interests of NTFP cultivation, harvesting, processing or marketing in this holistic NTFP certificate course. Dr Geeta Joshi, Training In-charge, briefed about genesis of GSDP and various trainings conducted by the institute to develop skills in unemployed youth. Dr Nanita Berry, Training Coordinator, elaborated about schedule of the training course. She informed about 53 classrooms lecture and various field visits to TRIFED, Vindhya Herbals and other honey, agarbatti, amla and medicinal plant cultivation and processing units of Tamia, Bhopal and Jabalpur scheduled during the course. An enthusiastic heterogenous group of 20 participants including progressive farmers and youths from different backgrounds like MA, BSc forestry, engineering, BCom, BA from Satna, Sagar, Raipur and Jabalpur are screened to participate in this training course of GSDP. Dr Hari Om Saxena, Training Director, compered the inaugural session, while a vote of thanks was proposed by Dr S Sarvanan.

Guests releasing a training manual on Value Addition and Marketing of Non-Timber Forest Produce (plant origin): NTFP products and Medicinal Plants at TFRI.

राज एक्सप्रेस | महानगर
गुरुवार, 27 फरवरी, 2020
www.rajexpress.co

औषधीय पौधों में हैं स्वरोजगार के अवसर

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में सर्टिफिकेट कोर्स का उद्घाटन

जबलपुर(आरएनएन)। अकाष्ठ वन उत्पादों और औषधीय पौधों के जरिए स्वरोजगार के अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते है। उपरोक्त जानकारी वक्ताओं ने उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान 20 दिवसीय सर्टिफिकेट कोर्स के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान दी। मुख्य अतिथि ए. पुरुषोत्तम धीमान, अति. एमडी एमएफपी फेडरेशन,भोपाल द्वारा उद्घाटन कार्यक्रम में प्रतिभागियों को इस समग्र पाठ्यक्रम द्वारा अपने संबंधित हितो को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।ग्रीन स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम (जीएसडीपी) के तहत संचालित और पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ -सीसी) भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित पाठ्यक्रम के सम्बंध में टीएफआरआई निदेशक डॉ. राजेश्वर राव ने एनटीएफपी क्षेत्र में रोजगार के अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने टीएफआरआई एवं एनटीएफपी क्षेत्र में कार्यरत अन्य संस्थानों जैसे आरसीएफसी जबलपुर और एमएफ पी फेड भोपाल से पूर्ण तकनीकी मार्गदर्शन का आश्वासन भी दिया। प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. गीता जोशी ने जीएसडीपी की उत्पत्ति और बेरोजगार युवाओं में कौशल विकसित करने के लिए संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षणों की जानकारी दी। डॉ. ननिता बेरी, प्रशिक्षण समन्वयक ने प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की अनुसूची के बारे में विस्तार से बताया। इसमें सतना, सागर, रायपुर और जबलपुर से आए प्रगतिशील किसान और विभिन्न शैक्षिक पृष्ठभूमि जैसे एमए, बीएससी वानिकी, इंजीनियरिंग, बीकॉम, बीए के 20 युवा इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिए चयनित किये गए हैं। संचालन डॉ. हरिओम सक्सेना, प्रशिक्षण निदेशक एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सरवनन द्वारा किया गया।

वन औषधि की सही पहचान होने पर ही मिलेगा सर्टिफिकेट

जबलपुर(नईदुनिया प्रतिनिधि)। उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (टीएफआरआई) में बुधवार को अकाष्ठ वन उपज के मूल्य संवर्धन और विपणन अकाष्ठ वन उत्पादों (एनटीएफपी) और औषधीय पौधों पर 20 दिवसीय सर्टिफिकेट कोर्स का उद्घाटन हुआ। इस कोर्स में शामिल प्रतिभागियों को वन औषधि की सही पहचान होने पर ही सर्टिफिकेट मिलेगा।

टीएफआरआई के निदेशक डॉ. राजेश्वर राव ने ग्रीन स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम (जीएसडीपी) के तहत संचालित व पर्यावरण, वन और परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम के अतिथि और प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने एनटीएफपी क्षेत्र में रोजगार के विभिन्न अवसर बताए। साथ ही टीएफआरआई व एनटीएफपी क्षेत्र में कार्यरत संस्थानों जैसे आरसीएफसी, एमएफपी फेडरेशन से तकनीकी मार्गदर्शन दिलाने का भरोसा दिया।

टीएफआरआई के सर्टिफिकेट कोर्स में वन औषधि की जानकारी संबंधी पुस्तक का विमोचन करते अतिथि। ● नईदुनिया

इन्होंने किया उद्घाटन: सर्टिफिकेट कोर्स का उद्घाटन पुरुषोत्तम धीमान अतिरिक्त एमडी एमएफपी फेडरेशन ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों से समग्र पाठ्यक्रम के माध्यम से अपने हित के लिए आगे बढ़ने प्रोत्साहित किया।

प्रशिक्षणों के बारे में बताया: प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. गीता जोशी ने जीएसडीपी की उत्पत्ति व बेरोजगार युवाओं में कौशल विकसित करने के लिए प्रशिक्षणों की जानकारी दी। प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. ननिता बेरी ने पाठ्यक्रम के दौरान निर्धारित 53 क्लासरूम लेक्चर व तामिया, भोपाल व जबलपुर स्थित ट्रायफेड, विंध्य हर्बल्स, शहद, अगरबत्ती, आंवला और अन्य औषधीय पौधों की खेती, प्रसंस्करण इकाईयां में शैक्षिक पर्यटन के बारे में बताया।

20 युवा चयनित: सतना, सागर, रायपुर व जबलपुर से आए प्रगतिशील किसान और एमए, बीएससी, वानिकी, इंजीनियरिंग, बीकाम, बीए के 20 युवा इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में लेने चयनित किए गए। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. हरिओम सक्सेना और आभार प्रदर्शन डॉ. सरवन ने किया।

वनो उपज से आय अर्जित करने का प्रशिक्षण लेंगे युवा

जबलपुर ◆ उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में बुधवार को अकाष्ठ वन उपज के मूल्य संवर्धन और विपणन, अकाष्ठ वन उत्पादों और औषधीय पौधों पर सर्टिफि केट कोर्स का शुभारंभ बुधवार को किया गया। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के प्रायोजित ग्रीन स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत बीस दिवसीय कोर्स का पाठ्यक्रम संचालित किया जाएगा। इसमें औषधीय प्रजातियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां दी जाएगी। संस्थान के निदेशक डॉ. राजेश्वर राव, आईएफएस पुरुषोत्तम धीमान ने कोर्स का उद्घाटन किया। प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. गीता जोशी ने बेरोजगार युवाओं में कौशल विकसित करने के लिए संस्थान की ओर से संचालित विभिन्न प्रशिक्षणों की जानकारी दी। प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. ननिता बेरी ने विंध्य हर्बल्स, शहद, अगरबत्ती, आंवला और अन्य औषधीय पौधों की खेती और प्रसंस्करण इकाइयां में शैक्षिक पर्यटन के बारे में जानकारी दी।सतना, सागर, रायपुर और जबलपुर से आए प्रगतिशील किसान और विभिन्न शैक्षिक पृष्ठभूमि के 20 युवाओं इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिए चयनित किया गया। सत्र का संचालन वैज्ञानिक डॉ. हरिओम सक्सेना एवं डॉ. सरवनन ने किया।